सत्यमेव जयते
DSIR
DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KANPUR

प्रिज्म जागरूकता कार्यक्रम : टीओसीआईसी आईआईटी कानपुर द्वारा लेखन और नीधियन योजना का प्रस्ताव

डीएसआईआर ने भारत की आजादी के 75 साल को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में लक्षित करने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने का निर्णय लिया गया है और टीओसीआईसी,आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित प्रिज्म जागरूकता कार्यक्रम इस श्रृंखला में पहला कार्यक्रम था।

इस आयोजन में सम्पूर्ण देश के नवप्रवर्तकों की भागीदारी देखी गई। इस दृष्टिपूर्ण सत्र से नवोन्मेषकों को ऐसे समाधानों की पहचान करने, विचार करने और विकसित करने के लिए प्रेरणा मिली जिसका एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ेगा और प्रिज़्म निधियन योजना के बारे में अधिक जानने के लिए टीओसीआईसी से सहायता मांगेंगे।

प्रिज़्म योजना की विशेषता शिक्षा को पात्रता मानदंड के रूप में रखे बिना समाज में परिवर्तन लाने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु इसके विशेष फोकस में ही निहित है। प्रिज़्म योजना नवाचार के सभी चरणों हेतु 2 लाख से 50 लाख तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है। डीएसआईआर वैज्ञानिक डॉ. सारिका मदान और टीओसीआईसी समन्वयक डॉ अमिताभ बंदोपाध्याय ने इस योजना के महत्व और विशिष्टता और इसके प्रभाव को जमीनी नवप्रवर्तनकर्ताओं से लेकर सफल उद्यमियों तक बनाया है।

इस सत्र ने कॉलेज के छात्रों, कामकाजी पेशेवरों और स्टार्ट-अप की मेजबानी की। कार्यक्रम प्रशासक सुश्री अनामिका राठौर और सुश्री आकांक्षा सिंह ने आवेदन भरने की श्रेणियों और प्रक्रिया के विवरण के बारे में बताया। विचार की वैधता का परीक्षण करने और इसे पीओसी या प्रोटोटाइप विकास चरण में बदलने के लिए भी कोई भी प्रिज्म अनुदान के लिए आवेदन कर सकता है।

उमंग, भारत सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया की पहल के तहत विकसित एक नया ऑनलाइन पोर्टल है जो ऑनलाइन आवेदन करने और जमा करने के बाद आवेदन की स्थिति पर नज़र रखने की संभावना रखता है।योजना के अनेक सफल अनुदान प्राप्तकर्ताओं में से तीन;
श्री चंद्रशेखर (सीमांत किसानों के लिए डिज़ाइन किए गए मैनुअल हार्वेस्टर के प्रर्वतक),
श्री संदीप पाटिल (एस्पिन नैनोटेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ), और
श्री निखिल उपाध्याय (सीडीस्पेस रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ) ने अपनी सफलता की कहानी और प्रिज्म अनुदान के तहत स्टार्टअप और इनोवेशन इनक्यूबेशन सेंटर में टीओसीआईसी,आईआईटी कानपुर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया।

श्री संदीप पाटिल ने कम लागत वाली लैब-स्केल इलेक्ट्रो-स्पिनिंग मशीन के निर्माण पर काम किया और श्री निखिल उपाध्याय ने सफल फील्ड परीक्षणों के साथ-साथ ड्रोन डिलीवरी-बीवीएलओएस ऑपरेशन के लिए यूएवी एवियोनिक्स विकसित किया।

टीओसीआईसी आईआईटी, कानपुर में प्रिज्म आवेदन हेतु कॉल पूरे वर्ष खुला है। आईआईटी, कानपुर में इस अनुदान के तहत अभी तक कुल 94 नवाचारों की सहायता की गयी है और यह नवोन्मेषकों को उनके विचारों को पोषित करके और उन्हें आवेदन की प्रक्रिया के माध्यम से समर्थन और बढ़ावा देना जारी रखेगा।